



रिद्धिमा में संगीत की महफिल ने मोहा मन



● रिद्धिमा में सुर-संगीत का शानदार आयोजन

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (5 Oct): बरेली. सुर, लय और भाव के खूबसूरत संगम के बीच एसआरएमएस रिद्धिमा-ए सेंटर ऑफ परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट्स में आयोजित तीन दिवसीय 'सुर साधना' शास्त्रीय एवं ठप-शास्त्रीय गायन कार्यशाला का सोमवार को समापन हुआ. प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका एवं गुरु आस्था गोस्वामी के मार्गदर्शन में 47 प्रतिभागियों ने भारतीय संगीत की बारीकियों को समझने के साथ अपनी गायन प्रतिभा को निखारा. कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने शुद्ध स्वरों की सरगम, अलंकार और तीनताल का अभ्यास किया. राग

बिहाग की विशेषताओं और गायन शैली को समझाते हुए 'दुर्गा महारानी' बंदिश का अभ्यास कराया गया. वहीं दूसरे दिन ठप-शास्त्रीय संगीत की लोकप्रिय विधा कजरी से परिचित कराया गया. 'बरसन लागी बदरिया' के माध्यम से प्रतिभागियों ने कजरी के भाव, लय और गायन तकनीक को सीखा. समापन दिवस पर प्रतिभागियों ने सीखी गई बंदिशों और कजरी की शानदार प्रस्तुतियां दीं. आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुतियों में उनकी मेहनत और संगीत के प्रति लगाव साफ नजर आया. कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया.